20 Rs.
भारत
INDIA
२० रु.
20 Rs
TWENTY RUPEES

"ट्रस्ट का घोषणा पत्र"

मैं, सत्य प्रकाश त्यागी पुत्र श्री दलवीर सिंह, निवासी 115 सिविल लाईन [उत्तरी] मुजफ्फरनगर [उ0प्र0] का हूँ ।
मैं अनुभव करता हूँ कि :-

स्वतन्त्रता आन्दोलन के काल में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, आचार्य नरेन्द्र देव, जय प्रकाश नारायण व डा0 राम मनोहर लोहिया जैसे अनेकों राष्ट्रीय नेताओं ने स्वतन्त्र भारत के स्वरूप की एक सुनहरी कल्पना की थी । जिसके अनुसार स्वतन्त्रता के बाद देश के प्रत्येक नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार आदि देने की दृढ़ इच्छा थी; ताकि किसी एक वर्ग विशेष के बजाय सभी को विकास करने का समान अवसर प्राप्त हो सके ।

सभी जानते है कि भारत माँ ग्रामवासिनी है । कुल जनसंख्या का लगभग 80 प्रतिशत भाग गाँवों में निवास करता है । ब्रिटिश शासन में जान बूझकर इन गाँवों को और इनके कुटीर उद्योगों को उजाड़ा गया । इसलिए हमारे गाँव अज्ञानता, कुपोषण, गरीबी, बेरोजगारी, गन्दगी और हर प्रकार के अभाव के केन्द्र बन गये । जिस कारण अब शारीरिक रूप से कमजोर, आपसी ईर्ष्या से ग्रस्त, कुरीतियों व अंधविश्वासों से त्रस्त, मानसिक रूप से अर्द्धविकसित, विकलांग, नेत्रहीन और अनेक गम्भीर बीमारियों से ग्रसित और जनसंख्या बढ़ाने के केन्द्र मात्र रह गये है । देश स्वतन्त्र हो जाने के बाद विकास की योजनाओं तो बनी मगर उनकी राह गाँव की ओर मुड़ने के बजाये शहरों की ओर मुड़ गयी । परिणाम स्वरूप शहरों में नागरिक जीवन की आवश्यकताओं को भारी खर्च उठाकर पूरा किया जाने लगा और गाँव पिछड़ते चले गये, इसी के परिणाम स्वरूप शहरों की ओर ग्रामीण जनसंख्या का पलायन तेजी से शुरू हुआ । इससे शहरों में तो अनेकों समस्याओं ने विकराल रूप धारण किया ही और गाँव भी उजाड़ होने के साथ-2 और उपेक्षित होते चले गये ।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

20 Rs.

भारत उपमहाद्वीपीय आकार का विभिन्न धर्मों, विश्वासों, निष्ठाओं, खान-पान, वेशभूषा, और भाषाओं का देश है । ऐसे विशाल देश में जब तक क्षेत्रीय स्तर पर सरकारी प्रयास के साथ-साथ आम नागरिकों का सक्रिय सहयोग नहीं जुड़ेगा तब तक विकास तो क्या उसके जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं किया जा सकेगा ।

श्री सत्य प्रकाश त्यागी जो इस ट्रस्ट के ~~प्रथम ट्रस्टी है और मुजफ्फरनगर जनपद~~ के जाने माने समर्पित सामाजिक, राजनैतिक कार्यकर्ता है उनकी यह निश्चित मान्यता है, कि जब तक गांव स्तर पर गांव के विकास की योजनायें बनाकर उनमें अधिक से अधिक ग्रामवासियों का सहयोग नहीं लिया जायेगा तब तक गांव का विकास सम्भव नहीं है । औरगाँव की आवश्यक सुविधाओं से भी वंचित, जनता को इस यातना पूर्ण जीवन से मुक्ति नहीं दिलायी जा सकती। इसलिए श्री सत्य प्रकाश त्यागी ने देशप्रेमी राष्ट्र भक्त नागरिकों का आह्वान किया है कि गांव से शहरों की ओर तेजी से हो रहे जनसंख्या पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण स्तर पर अज्ञानता, बेरोजगारी, कुपोषण, बीमारी, गरीबी आदि से लड़ने की योजनाओं में अपना सहयोग दे ताकि स्वतन्त्रता-आन्दोलन के समय राष्ट्रीय नेताओं और आन्दोलन में अपनी आहुति देने वाले बलिदानियों ने स्वतन्त्र भारत की जैसी तस्वीर बनाने की कल्पना की थी उसे पूरा करने की ओर ग्रामवासियों के सहयोग एवं सहकार से एक कदम आगे बढ़ा जा सके । उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इस ट्रस्ट का गठन किया जा रहा है ।

इस ट्रस्ट के प्रथम ट्रस्टी श्री सत्य प्रकाश त्यागी को इस ट्रस्ट के माध्यम से उपरोक्त योजनाओं को साकार रूप देने की प्रेरणा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, समाजवादी चिन्तक एवं राष्ट्रीय नेता आचार्य नरेन्द्र देव, श्री जय प्रकाश नारायण व डा0 राममनोहर लोहिया जी के विचारों का अध्ययन करने व परम श्रद्धेय कर्मयोगी वीतराग स्वामी कल्याण देव जी महाराज व राजनैतिक सक्रियता के साथ-साथ रचनात्मक कार्यों के धनी कर्मयोगी श्री चन्द्र शेखर जी के

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

सम्पर्क में आकर मिली । स्थानीय रूप से परम श्रद्धेय श्री योगीराज जी महाराज, जो सन्यासी होने के साथ-साथ अपने आश्रम में चिकित्सा द्वारा प्रतिवर्ष लाखों नागरिकों को लाभान्वित करते है और इस मानव सेवा को ही अपनी सबसे बड़ी तपस्या मानते है, इस ट्रस्ट के प्रेरणा स्रोत है । श्री योगीराज जी मानव कल्याण में लिप्त कर्म की साक्षात मूर्ति है ।

मैं इस ट्रस्ट के गठन हेतु एक हजार रूपये उपरोक्त कार्यों को पूरा करने हेतु देता हूँ । आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त धन भी इस ट्रस्ट के लिए इकट्ठा किया जायेगा । यह एक हजार रूपये इस ट्रस्ट की सम्पत्ति होगी ।

इस प्रकार इस ट्रस्ट का गठन एवं घोषणा निम्न प्रकार की जाती है --

1- नाम : इस ट्रस्ट का नाम जीवन ज्योति ट्रस्ट होगा और यह ट्रस्ट Irrevocable Public Charitable Trust होगा ।

2- रजिस्टर्ड कार्यालय : इस ट्रस्ट का कार्यालय 115 सिविल लाईन उत्तरी मुजफ्फरनगर (उ0प्र0) पर स्थित होगा।इस ट्रस्ट के कार्यालय को ट्रस्टीज की सहमति से आवश्यकता होने पर बदला भी जा सकता है ।

3- उद्देश्य : बिना किसी लाभ के उद्देश्य से निम्न जन कल्याण योजनाओं को चलाना --

(1) ग्रामीण क्षेत्र में निर्धन नागरिकों को निःशुल्क तकनीकी शिक्षा देने का प्रबन्ध करना जिससे शिक्षा प्राप्त कर पुरुष व महिलायें स्वावलम्बी हो सके ।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

(2) समय-समय पर राष्ट्रीय प्रश्नों पर विचार गोष्ठियाँ आयोजित कर नागरिकों को जानकारी कराती व उनमें राष्ट्र प्रेम की भावना उत्पन्न करना ।

(3) ग्रामीण क्षेत्र में जन स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम करना, जैसे समय-समय पर कैम्प आयोजित कर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराना, बच्चों के माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी कराना, बच्चों को आवश्यक निःशुल्क औषधियाँ वितरित करना आदि ।

(4) महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण का प्रबन्ध करना और विशेष कर गर्भवती महिलाओं को गर्भकाल में स्वस्थ रहने सम्बन्धी जानकारी कराना और आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण कराना ।

(5) ग्रामीण क्षेत्रों में महिला चिकित्सालय खोलना जिसमें विशेष रूप से प्रसूति कार्य हो सके ।

(6) ग्रामीण क्षेत्र में नेत्र चिकित्सालय खोलना । समय-समय पर निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित कर उनमें जरूरत मन्द नागरिकों के नेत्र आपरेशन की व्यवस्था करना ।

(7) विद्यालयों में नेत्र सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित कर नेत्र विशेषज्ञों को बुलाकर छात्रों का नेत्र परीक्षण कराना तथा उन्हें नेत्र सम्बन्धी आवश्यक जानकारी देना ।

(8) समय समय पर विचार गोष्ठियों का आयोजन कर ग्रामीणों को नेत्र दान के लिए प्रेरित करना ।

(9) समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा विचार गोष्ठियों में ग्रामीणों को सन्तुलित व सुखी परिवार कैसे बने ? उसकी व समुचित आहार की जानकारी देना । उसके लाभ बताना तथा छोटे बच्चों को विद्यालयों में सन्तुलित आहार मिलने का प्रबन्ध करना ।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

स्थात रूपत्रे — SEVEN RUPEES — भारत — SEVEN RUPEES

(10) ग्रामीण क्षेत्र में गरीब विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण संस्थान की व्यवस्था करना ताकि ग्रामीण क्षेत्र का विद्यार्थी भी उच्च प्रशासनिक सेवाओं में सफलतापूर्वक भाग ले सके ।

(11) दहेज की बुराई के कारण वधु उत्पीड़न, वधु हत्या, जैसे जघन्य अपराधों के खिलाफ ग्रामों में जन चेतना जाग्रत करना, सादे सरल एवं सामूहिक विवाहों के लिए चेतना जगाना व समय-समय पर ऐसे विवाहों का आयोजन करना, विवाह में फिजूल खर्ची व साधनों के अपव्यय के विरुद्ध मानसिकता तैयार करना ।

(12) पर्यावरण की चेतना जगाना, वृक्षारोपण करना व कराना ।

(13) योग प्रशिक्षण केन्द्र संचालित करना एवं योग शिविर लगाना ।

(14) ग्रामीण क्षेत्रों में संस्कृत विद्यालय तथा गुरुकुल पद्धति के कन्या विद्यालय खोलना ।

(15) पुस्तकालय एवं वाचनालय खोलना ।

(16) पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन करना ।

(17) अनाथालय तथा छात्रावास खोलना ।

(18) विकलांगों के लिये कल्याण योजनायें चलाना ।

(19) जन सेवा के कार्यों के लिये राज्य एवं केन्द्र सरकार से अनुदान प्राप्त करना

(20) ट्रस्ट के लाभ के लिये भूमि, भवन तथा अन्य चल-अचल सम्पत्ति दान में लेना ।

(21) नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहन एवं भारतीय संस्कृति की रक्षा हेतु समय-समय पर साहित्य वितरण एवं विद्वानों के प्रवचन आयोजित करना ।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

4- ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति : ट्रस्ट के समस्त कार्यों व सम्पत्तियों का प्रबन्ध ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति द्वारा होगा और सभी सम्पत्ति प्रबन्ध समिति के नियन्त्रण में रहेगी इस ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति में कम से कम 5 व अधिक से अधिक 11 सदस्य होंगे । प्रथम ट्रस्टीज की सूची निम्न प्रकार है । जिन्होंने इस ट्रस्ट में ट्रस्टी बनने हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है ।

(1) श्री वीतराग स्वामी कल्याण देव जी महाराज (पद्म श्री)
(2) श्री चन्द्र शेखर, भू0पू0 प्रधानमंत्री
(3) श्री सत्य प्रकाश त्यागी
(4) श्री स्वामी योगीराज जी महाराज
(5) श्रीमति सत्या त्यागी
(6) श्रीमहेश चौहान
(7) श्री शिवशोभन दूबे
(8) स्वामी ओंकारानन्द जी महाराज

(अ) श्री चन्द्र शेखर जी इस ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति के आजीवन अध्यक्ष व वीतराग स्वामी कल्याण देव जी महाराज आजीवन संरक्षक होंगे ।

(ब) श्री सत्य प्रकाश त्यागी इस ट्रस्ट के आजीवन मन्त्री होंगे तथा अन्य उपरोक्त सदस्यों में से स्वामी योगीराज जी महाराज, श्रीमति सत्या त्यागी, श्री महेश चौहान, श्री शिवशोभन दूबे इस ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति के आजीवन सदस्य होंगे बाकी सदस्य 5 वर्ष की अवधि के लिए पद ग्रहण करेंगे ।

(स) प्रबन्ध समिति का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा ।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

5- इस ट्रस्ट के अन्तर्गत जितनी भी संस्थायें कार्य करेगी उन सभी संस्थाओं के संचालन हेतु, ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति, अलग अलग एक प्रबन्ध समिति को मनोनीत करेगी । ऐसी प्रबन्ध समितियों में कम से कम 5 व अधिक से अधिक 11 सदस्य होंगे । ऐसी प्रबन्ध समितियों में ट्रस्ट से बाहर के ऐसी व्यक्तियों को भी मनोनीत कर सकती है जिनकी सेवायें उस संस्था के विकास हेतु आवश्यक है । यदि ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति की यह जानकारी हो कि किसी संस्था की प्रबन्ध समिति संस्था के विरुद्ध कार्य कर रही है तो, बिना कारण बताये, ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति ऐसी समिति को तुरन्त भंग कर सकती है और उसके स्थान पर नई समिति मनोनीत कर सकती है । ट्रस्ट के मन्त्री हर ऐक संस्था की प्रबन्ध समिति के पदेन सदस्य होंगे ।

ऐसी प्रबन्ध समितियों में एक अध्यक्ष एक मन्त्री होंगे ।

6- सदस्यता : (1) जो व्यक्ति प्रमुख समाज सेवी, विद्वान, दार्शनिक हो और जिसके ट्रस्ट का सदस्य बनने से, ट्रस्ट के कार्यक्रमों को लाभ हो सके ऐसे व्यक्ति को ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति निर्णय कर ट्रस्ट का निःशुल्क सदस्य बना सकती है । ऐसा व्यक्ति ट्रस्ट का पैटर्न सदस्य होगा । तथा जो व्यक्ति एक साथ 11,000/- रूपये या इतनी ही कीमत की सम्पत्ति ट्रस्ट को दान दे वह भी ट्रस्ट का पैटर्न सदस्य होगा।

(2) आजीवन सदस्य :-- जो व्यक्ति ट्रस्ट को एक साथ 5,000/- रूपये या इतनी कीमत की सम्पत्ति दान देगा वह ट्रस्ट का आजीवन सदस्य बन सकेगा ।

(3) साधारण सदस्य :-- एक साथ 2,500/- रूपया दान देने वाला व्यक्ति ट्रस्ट का साधारण सदस्य होगा ।

7- प्रबन्ध समिति : ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति में निम्नपदाधिकारीगण होंगे -

(1) अध्यक्ष
(2) उपाध्यक्ष
(3) मंत्री
(4) कोषाध्यक्ष

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

8- प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों के कर्तव्य :

(1) अध्यक्ष : 1- ट्रस्ट की सम्पत्ति का संरक्षण करना ।

2- ट्रस्ट के विकास एवं सम्पत्ति की योजनाओं के सम्बन्ध में समय-समय पर अन्य पदाधिकारीगण को आदेश देना ।

3- ट्रस्ट की बैठकों की अध्यक्षता करना।

(2) उपाध्यक्ष : अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के अधिकारों का प्रयोग करना ।

(3) मंत्री : 1- ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति व आम सभा की बैठक बुलाना, उन बैठकों की कार्यवाही लिखना ।

2- ट्रस्ट की आय-व्यय का हिसाब कोषाध्यक्ष से रखवाना उस हिसाब की किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट से जाँच कराकर प्रबन्ध समिति के समक्ष प्रस्तुत करना ।

3- ट्रस्ट के कार्यों के उचित संचालन हेतु कार्यकर्ताओं की नियुक्ति हेतु कार्यवाही करना उनकी सेवा नियमावली बनवाना, उनके कार्यों की देखभाल करना तथा सेवा मुक्ति, वेतनवृद्धि आदि का निर्णय करना । यह सब कार्य अध्यक्ष की लिखित पूर्व अनुमति से सम्पन्न होंगे ।

4- ट्रस्ट के लेन-देन हेतु किसी राष्ट्रीयकृत बैंक या जिला सहकारी बैंक में मंत्री व कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से खाता खोलना और इसे संचालित करना । ट्रस्ट के कार्य के भाउचरों को स्वीकृत करना ।

5- ट्रस्ट के हितार्थ एक हजार रूपये तक की राशि को प्रबन्ध समिति की स्वीकृति की प्रत्याशा में खर्च करना ।

6- ट्रस्ट के विकास हेतु विभिन्न संस्थाओं से सहायता राशि अनुदान, कर्ज, आदि लेने हेतु पत्र व्यवहार करना ।

7- ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति द्वारा किये गये निर्णयों का पालन करना ।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

(a) कोषाध्यक्ष : 1- कोष का हिसाब किताब रखना तथा ट्रस्ट की वार्षिक आय का विवरण तैयार कर मंत्री को देना ताकि मंत्री उस आय व्यय की किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्टसे जांच कराकर प्रबन्ध समिति के सम्मुख स्वीकृति हेतु रख सके ।

2- मंत्री व कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से किसी बैंक में खाता खोलना व उस बैंक खाते को मन्त्री के साथ संयुक्त हस्ताक्षरों से संचालित करना।

9- प्रबन्ध समिति एवं आम सभा की बैठके :

आम सभा की वर्ष में एक बैठक व प्रबन्ध समिति की चार बैठक होना अनिवार्य है । इनबैठकों में आम सभा की बैठकों के लिए 50 प्रतिशत व प्रबन्ध समिति की बैठक के लिए 75 प्रतिशत सदस्यों की उपस्थिति कोरम पूर्ति हेतु आवश्यक होगी ।

आम सभा की बैठक की सूचना एक माह पूर्व व प्रबन्ध समिति की बैठक की सूचना 15दिन पूर्व मंत्री द्वारा भेजी जायेगी ।

10- रिक्त स्थानों की पूर्ति :

यदि किसी ट्रस्टी की मृत्यु हो जाये, कोई स्थाय पत्र दे दे या राष्ट्रहित के विरुद्ध कार्य करने का दोषी पाया जाये, किसी असाध्य बीमारी से ग्रसित हो जाये, दिवालिया या पागल हो जाये, किसी न्यायालय द्वारा अनैतिक कार्यों में सजा दे दी जाये, तो प्रबन्ध समिति ऐसे ट्रस्टी को ट्रस्ट से अलग करने का निर्णय लेगी और उपरोक्त दशाओं में रिक्त स्थान की पूर्ति प्रबन्ध समिति अपने निर्णय से अन्य ट्रस्टियों में से नियुक्त कर सकेगी ।

11- प्रबन्ध समिति का कार्यकाल 5 वर्ष पूरा होने पर धारा 4(स) में दिये अनुसार सदस्यों का स्थान रिक्त हो जायेगा । इसलिए मंत्री कार्यकाल समाप्त होने से एक माह पूर्व रिक्त स्थानों की पूर्ति हेतु एक आम सभा की बैठक बुलायेगा और सबकी सहमति से नये सदस्यों का चयन होगा जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हुआ है उन सदस्यों का सभा पुनः भी चयन कर सकती है ।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

12- नियमों का बनाना :

मंत्री ट्रस्ट की बैठकों, नये ट्रस्टी बनाने, व कार्यकर्ताओं की नियुक्ति, सेवा मुक्ति, वेतनमान, वेतनवृद्धि आदि के संबंध में नियमावली बनाकर प्रबन्ध समिति के सम्मुख स्वीकृति हेतु रखकर स्वीकृत करायेगा ।

13- नियमों में संशोधन :

यदि अध्यक्ष व मंत्री ट्रस्ट के हित में नियमों में कोई भी संशोधन आवश्यक मानते है तो मंत्री इस प्रकार के प्रस्तावित संशोधनों का प्रारूप तैयार कर प्रबन्ध समिति के समक्ष विचार एवं निर्णय हेतु प्रस्तुत करेगा । इस प्रकार नियमों में संशोधन हेतु प्रबन्ध समिति की विशेष बैठक बुलायी जायेगी जिसमें एजेन्डे के केवल एक ही विषय पर विचार होगा । प्रबन्ध समिति द्वारा स्वीकृत संशोधन की सूचना मंत्री सम्बन्धित अधिकारीगण को भेजेगा ।

14- ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति को यह अधिकार होगा कि यदि क्षेत्र में कोई अन्य ट्रस्ट या संस्था इस ट्रस्ट के उद्देश्य के अनुरूप ही पूर्व से कार्य कर रहे है और यह ट्रस्ट या संस्था अब इस जीवन ज्योति ट्रस्ट में अपने को विलीन करना चाहते हो या कोई संस्था इस ट्रस्ट में सहयोग कर इस ट्रस्ट के उद्देश्यों में निर्धारित कार्यक्रमों को पूरा करने में सहयोग करना चाहती है तो प्रबन्ध समिति को इस संबंध में निर्णय का पूर्ण अधिकार होगा ।

15- ट्रस्ट के पदाधिकारियों को मानदेय राशि प्रदान करना :

यदि कोई पदाधिकारी ट्रस्ट के कार्य में अपना पूर्ण कालिक समर्पण करता है तो प्रबन्ध समिति ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति के अनुसार उसके भरण पोषण मानदेय के संबंध में निर्णय करेगी ।

16- ट्रस्ट की समाप्ति की घोषणा :

यदि ट्रस्ट अपने उद्देश्यों की पूर्ति में किसी भी कारण से सक्षम न रहा हो और ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति इस दशा में ट्रस्ट को समाप्त करने पर सहमत हो तो ऐसा प्रस्ताव मंत्री ट्रस्ट की आम

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो तब इस ट्रस्ट की सम्पत्ति किसी अन्य ट्रस्ट को स्थानान्तरित कर दी जायेगी । इस प्रकार का निर्णय विशेष बैठक में लिया जायेगा । जिसमें गणपूर्ति आम सभा की 75 प्रतिशत सदस्यों की आवश्यक होगी।

15- जीवन-ज्योति न्यास के अन्तर्गत चलने वाली संस्थाओं के प्रबन्ध के सम्बन्ध में यदि कोई विवाद होगा तो उसका निर्णय इस न्यास की प्रबन्ध समिति ही करेगी, जो अपने आप में अन्तिम निर्णय होगा । न्यास की प्रबन्ध समिति के निर्णय के विरुद्ध या किसी भी संस्था के प्रबन्ध संबंधी विवाद का कोई भी पक्ष न्यायालय में कोई भी वाद दायर नहीं कर सकेगा ।

xxx

सत्य प्रकाश शर्मा

साक्षी
(1) विजेन्द्र सिंह पुत्र महिपाल सिंह
ह० न० 379 कुटेसरा
(2) [illegible]
मुजफ्फरनगर

लेखांकित तिथि — 20/3/1995 ई०
ड्राफ्टकर्ता — [illegible] कुमार शर्मा एडवोकेट
[illegible] मुजफ्फरनगर अनु० सं० 77 वैधमान
31/3/1995 ई० निःशुल्क

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

सत्य प्रकाश शर्मा

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

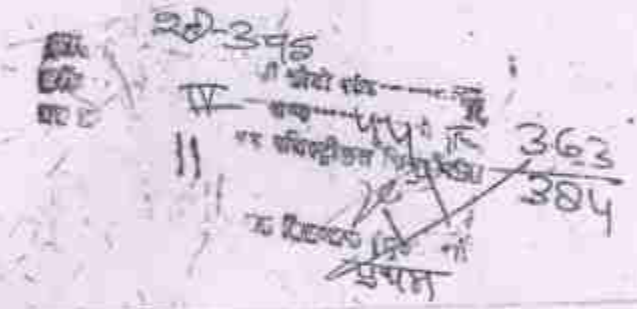

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

भारतीय गैर न्यायिक

भारत INDIA

रू. 500

FIVE HUNDRED RUPEES

पाँच सौ रुपये

सत्यमेव जयते

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

F 287186

क्षेत्राधिकार कार्यालय उप निबन्धक मुजफ्फरनगर प्रथम

शुद्धि-पत्र/पूरक पत्र बाबत ट्रस्ट डीड

स्टाम्प शुल्क:– 750/–रूपये

मै कि सत्यप्रकाश त्यागी पुत्र श्री सरदार सिहं निवासी 115 सिविल लाईन उत्तरी मुजफ्फरनगर परगना व तहसील व जिला

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

L 654384

मुजफ्फरनगर का है।)

जो कि मिन मुकिर ने दिनांक 20—03—1995ई0 को एक ट्रस्ट डीड जिसकी रजिस्ट्री बही नं0 4 के खण्ड 44 के पृष्ठ 363/384 मे क्रंमाक 11 पर कार्यालय उपनिबन्धक प्रथम पर दर्ज है, की हुई है

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

L 654385

उक्त ट्रस्ट डीड के धारा 3 की उपधारा 13 (योग प्रशिक्षण केन्द्र संचालित करना एवं योग शिविर लगाना) अंकित है मे शब्द, तथा योग मे डिप्लोमा व डिग्री कोर्स की स्थापना करना, व उपधारा 14 (ग्रामीण क्षेत्रों मे संस्कृत विद्यालय तथा गुरूकुल पद्विति के

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 03AA 500945

कन्या विद्यालय खोलना) अंकित है मे शब्द, सी० बी० एस० ई० द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय एवं लडकों के विद्यालय खोलना, लिखे जाते

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

03AA 500946

है। अतः यह शुद्धि पत्र/पूरक पत्र बाबत ट्रस्ट डीड दिनांकित 20-03-1995ई0 का भाग समझा जावे जो अपने पूर्ण होशों हवास

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

TEN RUPEES

रु.10

Rs.10

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

(03) कोषागार
19 MAY 2008

उत्तर प्रदेश

-6-

41AA 591866

मे समस्त इन्द्रियों की स्वस्थ दशा मे खूब सोच समझकर समक्ष गवाहान लिख व लिखा दिया है कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।इति

सतीश कुमार शर्मा

Manager
Gurukul Public
Kutesra (M.Nagar)

साक्षी— अरुण कुमार S/o श्री महेन्द्र सिंह त्यागी 302 - द्वारकापुरी (भोपना पुरा) (मुजफ्फर नगर)

साक्षी— (Satish Kumar ...) S/o ...

तहरीर तारीखः— 29—05—2008 ई0

ड्राफ्टकर्ताः— सतीश कुमार शर्मा दस्तावेज लेखक अनुज्ञप्ति संख्या 77 सीट नं0 7 तहसील सदर मुजफ्फरनगर।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

सतीश कुमार शर्मा
Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

TEN RUPEES

(03) कोषागार

19 MAY 2008

रु.10

Rs.10

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश

—6—

41AA 591866

मे समस्त इन्द्रियों की स्वस्थ दशा मे खूब सोच समझकर समक्ष गवाहान लिख व लिखा दिया है कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।इति

सतीश कुमार शर्मा

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

साक्षी—

अरुण कुमार S/o श्री महेन्द्र सिंह त्यागी
302 - द्वारकापुरी (भोपना पुरम) (मुजफ्फर नगर)

साक्षी—

(Satish Kumar S/o ...)

तहरीर तारीख:— 29—05—2008 ई0

ड्राफ्टकर्ता:— सतीश कुमार शर्मा दस्तावेज लेखक अनुज्ञप्ति संख्या 77 सीट नं0 7 तहसील सदर मुजफ्फरनगर।

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

सतीश कुमार शर्मा
Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

"अंगुली का प्रकार"

पक्षकार का नाम सत्यप्रकाश त्यागी

	अंगुष्ठक	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठका
दायाँ हाथ					
बाँया हाथ					

पक्षकार का नाम .....

दायाँ हाथ					
बाँया हाथ					

पक्षकार का नाम .....

दायाँ हाथ					
बाँया हाथ					

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)

दायाँ हाथ					
बाँया					

आज दिनांक 29/05/2008 को

बही सं. 4 जिल्द सं. 98

पृष्ठ सं. 69 से 82 पर क्रमांक 130

रजिस्ट्रीकृत किया गया।

अशोक कटारिया

29/5/2008

Principal
Gurukul Public School
Kutesra (Muzaffarnagar)

Manager
Gurukul Public School
Kutesra (M.Nagar)